

## असाधारगा EXTRAORDINARY

भाग II—लग्ड 3—उप-लग्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 417

नई बिल्ली, शमिबार, सितम्बर 6, 1980/भाव 15, 1902

No. 417

NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 6, 1980/BHADRA 15, 1902

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या को जाती है जिससे कि यह अलग संकल्फ को रूप मो रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

## ंउद्योग में ब्रालय (बौद्योगिक विकास विभाग)

मादेश

नई दिल्ली, 6 सितम्बर, 1980

का० ग्रा॰ 760(ग्र)/18चक /आई० डी॰ आर॰ ए॰/80---भारत सरकार के उद्योग मन्नालय (भौद्योगिक विकास विभाग) के श्रादेश सं० का० भा० 661(ग्र०), नारीख 7 सिसम्बर, 1977 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त द्यादेश कहा गया है) द्वारा केन्द्रीय सरकार ने, उद्योग (विकास भीर विनिय-मन) म्रिशिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18चला की उपचारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह धोषणा की थी कि उक्त आदेश के जारी होने की तारीख से ठीक पूर्व प्रवृत्त ऐसी सभी संविदामों, सभ्यति के हस्तान्तरण-पन्नों, करारों व्यवस्थापनी, पंचाटी, स्थायी मादेशीं या म्रत्य लिखतीं का (उनसे भिन्न जो बैंकों भीर वित्तीय संस्थाभी के प्रतिभूत दायित्वों से संबंधित हैं) जिनका मैसर्स यनियन जुट कम्पनी लिमिटेड, कलकत्ता नामक मौद्योगिक उपक्रम या ऐसे भौद्योगिक अपक्रम का स्वामित्व रखने वाली कम्पनी एक पक्षकार है या जो ऐसे भौद्योगिक उपक्रम या कम्पनी को लागू हों, प्रवर्तन एक क्षर्य की ग्रवधि के लिए निलम्बित रहेगा भौर उक्त तारीख के पूर्व उसके ग्रधीन प्रोतभृत या उद्भृत होने वाले सभी प्रधिकार, विशेषाधिकार, बाध्यताए और दायित्व उक्त भवधि के लिए निलम्बित रहेंगे;

श्रीर भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (श्रीशोगिक विकास विभाग) के झादेश संख्या का॰ आ॰ 544 (श्र)/18चल/शाई॰ डी॰ आर॰ ए॰/78, सारीख 6 सितंबर 1978 द्वारा उक्त भादेश की भ्रवधि 6 सितम्बर, 1979 तक, जिसमें वह तारीख भी सम्मिलित है, एक वर्ष की भवधि के लिए ग्रीर कहा दी गई थी; भौर भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (भौद्योगिक विकास विभाग) के आवेश सं० का० आ० 517(भ०)/18चल/आई० डी० भार० ए०/79, तारीख 6 सितम्बर, 1979द्वारा उक्त भादेश की अवधि 6 सितम्बर, 1980 तक, जिसमें वह तारीख भी सम्मिलित है, एक वर्ष की भ्रांतरिक भ्रवधि के लिए भौर बढ़ा दी गई थी;

भीर केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त भ्रादेश की भवधि 6 सिनम्बर, 1981 तक, जिसमें वह तारीख भी सम्मिलित है, एक वर्ष की भवधि के लिए भीर बहा वी जाए;

श्रतः, केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास भौर विनियमन) श्रधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18वा की उपधारा (2) के साथ पठित उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त झादेश की भविध, 6 सितम्बर, 1981 तक, जिसमें वह तारीख भी सम्मिलित है, बहाती है।

फा॰ सं॰ 3(4)/77-सी॰य॰एस॰]

## MINISTRY OF INDUSTRY (Department of Industrial Development)

**ORDERS** 

New Delhi, the 6th September, 1980

SO. 760(E)./18FB/IDRA/80.—Whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 661(E), dated the 7th September, 1977, (hereinafter referred to as the said Order), the Central Government, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), had declared that the operation of all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing

671GI/80

orders or other instruments in force immediately before the date of issue of the said Order (other than those relating to secured liabilities to banks and financial institutions) to which the industrial undertaking known as Messrs Union Jute Company Limited, Calcutta or the Company owning such industrial undertaking is a party or which may be applicable to such industrial undertaking or Company shall remain suspended for a period of one year, and that all the rights, privileges, obligations and liabilities accruing or arising thereunder before the said date shall remain suspended for the said period;

And, whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 544(E), 18FB/IDRA/78, dated the 6th September, 1978, the duration of the said Order was extended for a further period of one year upto and inclusive of the 6th September, 1979;

And, whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 517(E)/18FB/IDRA/79, dated the 6th September, 1979, the duration of the said Order was further extended for another period of one year upto and inclusive of the 6th September, 1980.

And, whereas the Central Government is satisfied that the duration of the said Order should be extended for a further period of one year upto and inclusive of the 6th September, 1981;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (1), read with sub-section (2), of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby extends the duration of the said Order upto and inclusive of the 6th September, 1981.

[F. No. 3(4)/77-CUS]

काल्आत 761(अ)/18 चिख/उ०िब०कि० अ/80:—केन्द्रीय सरकार ने, भारत सरकार के भृतपूर्व उद्योग श्रीर नागरिक पूर्ति मंद्रालय (श्रीद्यो-गिक विकास विभाग) के प्रावेग मंग्र काल्या 545(अ)/18 चख/उ०िब०। लि॰ अ०/75, नार्र ख 27 सिनम्बर, 1975 (जिसे इसमें आजे उक्त स्वादेश कहा गया है) द्वारा उद्योग (विकास श्रीर विनियमन) ग्रीधि-नियम, 1951 (1951 का 65) के धारा 18चव के उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त गणिनमां का प्रयोग करते हुए, योषणा की यी कि—

- (क) उक्त श्राधित्यम की तृतीय प्रतृत्यकी में वितिधिक प्रधितिय-मितियां, मैसर्य सेन नेपे लिसिटेड, कलकत्ता के नाम से जात भौधोगिक उपक्रम को लाग नहीं होगी; और
- (ख) उक्त भादेश के राजपक्त में प्रकाशन की तारीख के टीक पूर्व प्रवृत्त सभी संविदाओं, सस्पत्ति के हस्तातरण-पत्नों, करारों, व्यवस्थापनों, पंचाटों, स्थायी भावेशों या अन्य सिखतों का (जिसमें उक्त उपक्रम एक पक्षकार है, या जो उसे लागू हो सकता है) और उक्त नारीख से पूर्व उसके प्रधीन प्रोव्भूत या उद्भूत होने वाले सभी प्रधिकारों, विशेषाधिकार, बाह्यताएं और वायित्वों का प्रवर्तन 28 सितम्बर, 1976 तक निलम्बित रहेगा;

भौर उक्त भादेश की श्रवधि 7 सितम्बर, 1980 तक के लिए भौर बढ़ा दी गई थी;

भीर, केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त प्रावेश की भवधि 7 सितम्बर, 1981 तक की भवधि के लिए भीर बढ़ा वी जानी चाहिए;

धतः, श्रम, केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास ग्रीर विनियमन) श्रिष्ठिन्यम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18वव की उपधारा (2) के साथ प्रोठेत उपधारा (1) हारा प्रदल गिक्तयों का प्रयोग करने हुए, उक्त ग्रादेश की प्रयाद 7 सितम्बर, 1981 तक के लिए, जिसके ग्रन्तगृत यह तरित्व भी है, ग्रीर बढ़ाती है।

[फा०मं० 2(21)/75-सीं व्यूवसी०]

- S.O. 761(E)/18FB/IDRA/80—Whereas by the Order of the Government of India in the late Ministry of Industry and Civil Supplies (Department of Industrial Development) No. S.O. 545(E)/18FB/IDRA/75, dated the 27th September, 1975 (hereinafter referred to as the said Order), the Central Government, in exercise of the powers conterred by sub-section (1) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951) declared that—
  - (a) the enactments specified in the Third Schedule to the said Act shall not apply to the industrial undertakings known as Messis. Sen-Raleigh Limited, Calcutta; and
  - (b) the operation of all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force (to which the said industrial undertaking is a party or which may be applicable to it) immediately before the date of publication of the said Order in the Official Gazette, and all the rights, privileges, obligations and liabilities accruing or arising thereunder before the said date, shall remain suspended upto the 26th September, 1976;

And whereas the duration of the said Order was further extended upto the 7th September, 1980;

And whereas the Central Government is satisfied that the duration of the said Order should be extended for a further period upto the 7th September, 1981;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (1) read with sub-section (2) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby extends the duration of the said Order upto and inclusive of the 7th September, 1981;

[F. No. 2(21)/75-Cus.]

का॰जा॰ 762(अ)/18 च्छ/ड॰ वि॰कि॰ज।/80 :—केन्द्रीय सरकार ने, भारम सरकार के भूतपूर्व उद्योग और नागरिक पूर्ति मंत्रालय (भोधोगिक विकास विभाग) के भावेश मं० का॰भा० 549 (भ्र)/18 चय/ उ०वि० वि॰श०/75, तारीख 27 सिनम्बर, 1975 (जिसे इसमें भ्रागे उक्त मादेश कहा गया है) द्वारा उद्योग (विकास श्रीर विनियमन) भिर्मित्यम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18च्या की उपधारा (1) क्षारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, श्रोपणा की थी कि:---

- (क) उक्त अधिनियम की सुतीय अनुसूची में विनिधिष्ट प्रधिनिय-मिनियां, मैसमें एनसिलरी इण्डस्ट्रीज (कैंच्स) प्राइबेट लिमिटेड, कलकत्ता के साम में ज्ञान घौद्योगिक उपक्रम को लागू नहीं होंगी; और
- (ख) उक्त आदेश के राजपल में प्रकाणन की तारीख के ठीक पूर्व प्रवृत्त सभी संविद्याओं, सम्पन्ति के हस्तांतरण पत्नों, करारों, व्यवस्थापनों, पंचाटों, स्थायी प्रादेशों या प्रत्य निखतों का (जिसमें उक्त उपक्रम एक पक्षकार है, या जो उसे लागू हो सकता है) और उक्त तारीख से पूर्व उसके प्रधोन प्रोद्मूत या उद्मृत होने बाले सभी प्रधिकारों, विशेषाधिकार, धाष्ट्यताएं और वायित्वों का प्रवर्तन 26 नितन्त्वर, 1976 तक निलम्बित रहेगा;

भौर उक्त भादेण की श्रवधि 7 मितम्बर, 1980 तक के लिए और बढ़ा वी गई थी;

ग्रीर केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्न ग्रादेश की भवधि 7 सितम्बर, 1981 तक की प्रविध के लिए ग्रीर बढ़ा दी जानी चाहिए।

भ्रतः भव, केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास भ्रीर वितिवसत) श्रीध-नियम, 1951 (1951 का 65) को घारा 18 वृष्ण को उपधारा (2) के साथ पठित उपधारा (1) द्वारा प्रदन्त गक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त भादेग की भ्रवधि 7 सितम्बर, 1981 तक के लिए, जिसके भ्रन्तगैत यह तारीख भी है, भीर बढ़ाती है।

[फा॰सं॰ 2(27)/75-सो॰यू॰सी॰]

- S.O. 762(E)/18FB/IDRA/80.—Whereas by the Order of the Government of India in the late Ministry of Industry and Civil Supplies (Department of Industrial Development) No. S.O. 549(E)/18FB/IDRA/75, dated the 27th September, 1975 (horeinafter referred to as the said Order), the Central Government, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951) declared that—
  - (a) the enactments specified in the Third Schedule to the said Act shall not apply to the industrial undertakings known as Messrs Ancillary Industries (Cranks) Private Limited, Calcutta; and
  - (b) the operation of all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force (to which the said industrial undertaking is a party or which may be applicable to it) immediately before the date of publication of the said Order in the Official Gazette, and all the rights, privileges, obligations and liabilities accruing or arising thereunder before the said date, shall remain suspended upto the 26th September, 1976;

And whereas the duration of the said Order was further extended upto the 7th September, 1980;

And whereas the Central Government is satisfied that the duration of the said Order should be extended for a further period upto the 7th September, 1981;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (1) read with sub-section (2) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby extends the duration of the said Order upto and inclusive of the 7th September, 1981;

[F. No. 2(27)/75-Cus.]

कार का 763 (अ)/18 चिला/उ० वि० वि० अ०/80:— केन्द्रीय सरकार ने, भारत सरकार के भनपूर्व उद्योग धौर नागरिक पूर्ति मंत्रालय (धौद्यो-गिक विकास विभाग) के धावे 1 सं० का ब्राव 546 (ध्र)/18-वत्त्र उ०वि० वि० ध्र०,75, नारीख 27 सिनम्बर, 1975 (जिसे इसमें धागे उक्त धावेण कहा गया है) द्वारा उद्योग (विकास धौर विनियमन) ध्रिष्ठनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18वत्र की उपधारा (1) हारा प्रवत्त प्रविनयों का प्रयोग करने हुए, घोषणा की धी कि:—

- (क) उक्त अधिनियम की लृतीय अनुसूची में विनिधिष्ट अधिनिय-मिनियां, मैसमें एनिमलरी इंण्डस्ट्रीज (लग्स) प्राइवेट लिसिटेड, कलकमा के नाम से ज्ञान श्रीकोगिक उपक्रम को लागू नहीं होंगी; श्रीर
- (ख) उक्त आदेश के राजपत में प्रकाशन की तारीख के ठीक पूर्व प्रवृत्त सभी गंविदाओं , सम्पत्ति के हम्तांतरण पत्नों, करारों, ध्यवस्थापनों, पंचाटों, स्थायी आदेगों या अन्य लिखनों का (जिसमें उक्त उपअम एक पक्षकार है, या जो उसे लागू हो सकता है) और उक्त तारीख से पूर्व उसके आधीन प्रीवृश्त या उत्भूत होने याले सभी अधिकारों, विशेषाधिकार, धाध्यताएं और वायित्वों का प्रयत्ति 26 सितम्बर, 1976 तक निलम्बत रहेगा;

ग्रीर उक्त आदेश की भवधि 7 सिनम्बर, 1980 तक के लिए श्रीर बढ़ा दी गई थी;

भौर केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त आदेश की भवधि 7 सितम्बर, 1981 तक की अवधि के लिए और बढ़ा दी जानी चाहिए;

श्रत: श्रव, केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास झौर विनियमन) श्रीध-नियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 चल की उपधारा (2) के साथ पटिन उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त श्रीवंश की श्रविध 7 सितम्बर, 1981 तक के लिए, जिसके भन्तर्गंत यह तारीख थी है, श्रीर बढ़ाती है।

[फा०मं० 2(28),75-मी०य्०मी०]

- S.O. 763(E)/18FB/IDRA/80.—Whereas by the Order of the Government of India in the late Ministry of Industry and Civil Supplies (Department of Industrial Development) No. S.O. 546(E)/18FB/IDRA/75, dated the 27th September, 1975 (hereinafter referred to as the said Order), the Central Government, in exercise of the Powers conferred by subsection (1) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951) declared that—
  - (a) the enactments specified in the Third Schedule to the said Act shall not apply to the industrial undertakings known as (Messrs Ancillary Industries (Lugs) Private Limited, Calcutta; and
  - (b) the operation of all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force (to which the said industrial undertaking is a party or which may be applicable to it) immediately before the date of publication of the said Order in the Official Gazette, and all the rights, privileges, obligations and liabilities accruing or arising thereunder before the said date, shall remain suspended upto the 26th September, 1976;

And whereas the duration of the said Order was further extended upto the 7th September, 1980;

And whereas the Central Government is satisfied that the duration of the said Order should be extended for a further period upto the 7th September, 1981;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (1) read with sub-section (2) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby extends the duration of the said Order upto and inclusive of the 7th September, 1981;

[F. No. 2(28)/75-Cus.]

- (क) उक्त प्रधिनियम की ततीय प्रत्मूची में विनिर्देष्ट प्रधिनिय-मिनियां, मैसर्म एनसिलरी इण्डन्ट्रीज (फोजिस्स) प्राइवेट लिमिटेक, कलकत्ता के नाम से ज्ञान खौद्योगिक उपक्षम को लागू नहीं होंगी; खौर
- (ख) उनन प्रादेश के राजपत में प्रकाशन की नारीख के ठीक पूर्व प्रवृत्त सभी संविदाओं, सम्पन्ति के हस्तांतरण पत्नों, करारों, व्यवस्थापनों, पंचाटों, स्थायी प्रादेशों या प्रय्थ निखतों का (जिसमें उनत उपक्रम एक प्रथकार है, या जो उसे लागू हो सकता है) और उनत तारीख से पूर्व उसके प्रधीन प्रोदभूत या उद्भूत होने वाले सभी प्रधिकारों, विशेषाधिकार, बाह्यताएं और यायित्यों का प्रवर्तन 26 सितम्बर, 1976 तक निलम्बित रहेगा;

भीर उन्त घावेश की प्रविध 7 सितम्बर, 1980 तक के लिए भीर बढ़ा दी गई थी;

श्रीर केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उन्त श्रावेश की श्रवधि 7 सितम्बर, 1981 तक की श्रवधि के लिए श्रीर बढ़ा दी जानी चाहिए।

भनः भव, केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास भीर विनियमन) अधि-नियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 चन्न की उपधारा (2) के साथ परिन उपधारा (1) हारा प्रदत्त गिक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त प्रादेश की प्रविष्ट 7 सिकम्बर, 1981 तक के लिए, जिसके प्रत्नर्पत यह तारीख भी है, और बदानी है।

[फा॰सं॰ 2(29)/75-मी॰ य॰ मी॰]

- S.O. 764(E)/18FB/IDRA/80.—Whereas by the Order of the Government of India in the late Ministry of Industry and Civil Supplies (Department of Industrial Development) No. S.O. 548(E)/18FB/IDRA/75, dated the 27th September, 1975 (hereinafter referred to as the said Order), the Central Government in everging of the powers conferred by sub-sec Government, in exercise of the powres conferred by sub-section (1) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951) declared that —
  - (a) the enactments specified in the Third Schedule to the said Act shall not apply to the industrial undertakings known as Messrs Ancillary Industries (Forgings) Private Limited, Calcutta; and
  - (b) the operation of all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force (to which the said industrial undertaking is a party or which may be appli-cable to it) immediately before the date of publica-tion of the said Order in the Official Gazette, and all the rights, privileges, obligations and liabilities accruing or arising thereunder before the said date, shall remain suspended upto the 26th September,

And whereas the duration of the said Order was further extended upto the 7th September, 1980;

And whereas the Central Government is satisfied that the duration of the said Order should be extended for a further period upto the 7th September, 1981;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (1) read with sub-section (2) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby extends the duration of the said Order upto and inclusive of the 7th September, 1981.

[F. No. 2(29)/75-Cus.]

का॰आ॰ 765 (म)/18 चल/उ०चि॰चि॰ज०/80.—केन्द्रीय सरकार ने, भारत सरकार के भृतपूर्व उद्योग और नागरिक पूर्ति मंत्रालय (होद्यो-गिक विकास विभाग) के मादेश सं० का०मा० 547 (म)/18 चला /उ०वि० वि॰म॰/75, शारीख 27 सितम्बर, 1975 (जिसे इसमें ग्रागे उक्त मावेश कहा गया है) द्वारा उद्योग (विकास मौर विनियमन) 1951 (1951 का 65) की धारा 18 चख की उपधारा (1) हारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, बोषणा की थी कि :---

(क) उक्त ग्रधिनियम की तृतीय मनुसूची में विनिर्दिष्ट ग्रधि-नियमितियां, मैसर्स सेन एण्ड पंडित इण्डस्ट्रीज लिमिटेड, कलकत्ता के नाम से ज्ञात ग्रीधोगिक उपत्रम को लाग नहीं होगी; ग्रीर

(ख) उक्त भावेग के राजपत्र में प्रकाशन की नारीय के ठीक पूर्व प्रवन सभी संविदास्रों, सम्पत्ति के हस्तांतरण पत्नों, करारों व्यवस्थापनों, पंचाटों, स्थाठी भावेशी या प्रन्य लिखतों का (जिसमें उक्त उपक्रम एक पक्षकार है, या जो उसे लाग हो सकता है) ग्रीर उक्त तारील से पूर्व उसके भ्रधीन प्रोद्भूत या उदभत होने वाले सभी ग्रधिकारों, विलेषाधिकार, धाध्यताएं भीर वायित्वों का प्रवर्तन 26 मिनम्बर, 1976 तक निर्लाम्बत

भौर उक्त भादेशकी भवधि 7 सितम्बर, 1980 तक के लिए और वढ़ा दी गई थी;

धौर केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त आदेश की अवधि 7 सितम्बर, 1981 तक की अवधि के लिए और बढ़ा दी जानी चाहिए;

भ्रतः श्रद्य, केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास श्रीर विनयमन) भ्रधि-नियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 चख की उपधारा (2) के साथ परित उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त ग्राक्तियों का प्रयोग करते हुए, उन्त आदेश की भविष 7 सिनम्बर, 1981 तक के लिए, जिसके अन्तर्गत यह तारीख भी है, भीर बढ़ाती है।

> [फा॰सं॰ 2(30)/75-मी यू॰ सी॰] को । राय, संयुक्त सन्त्रिव

S.O. 765(E)/18FB/IDRA/80.—Whereas by the Order of s.o. 765(E)/18FB/IDRA/80.—Whereas by the Order of the Government of India in the late Ministry of Industry and Civil Supplies (Department of Industrial Development) No. S.O. 547(E)/18FB/IDRA/75, dated the 27th September, 1975 (hereinafter referred to as the said Order), the Central Government, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951) declared that—

(a) the enactments specified in the Third Schedule to the said Act shall not apply to the industrial undertakings known as Messrs, Sen and Pandit Industries Limited, Calcutta; and

ted, Calcutta; and

(b) the operation of all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force (to which the said industrial undertaking is a party or which may be applicable to it) immediately before the date of publication of the said Order in the Official Gazette, and all the rights, privileges, obligations and liabilities accruing or arising thereunder before the said date, shall remain suspended upto the 26th September,

And whereas the duration of the said Order was further extended upto the 7th September, 1980;

And whereas the Central Government is satisfied that the duration of the said Order should be extended for a further period upto the 7th September, 1981;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (1) read with sub-section (2) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby extends the duration of the said Order upto and inclusive of the 7th September, 1981:

> [F. No. 2(30)/75-Cus.] B. ROY, Jt. Secy.